गन्ने के उत्पादन पर बारिश की मार, लेकिन शुगर इंडस्ट्री रहेगी बेअसर

मूसलाधार बारिश के चलते डूब गई है महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की फसल

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की फसल मूसलाधार बारिश के चलते डूब गई है। इससे गन्ने के उत्पादन में कमी आएगी और किसानों को नुकसान होगा। हालांकि, चीनी का पर्याप्त स्टॉक होने से शुगर मार्केट पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मॉनसून में तेजी से पश्चिम और मध्य भारत में तिलहन और कपास की फसलों को भी नुकसान हुआ है। उत्तर भारत में ऐसे समय में तेज बारिश शुरू हुई है, जब सेब तोड़े जाने हैं। इससे सेब के उत्पादन पर भी असर पड़ेगा। पूरे देश में अगस्त के महीने में औसत से एक तिहाई अधिक बारिश हुई है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में हाल के दिनों में मूसलाधार बारिश हुई है, जिससे कई स्थानों पर खेत डूब गए हैं। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में उत्तर पश्चिम, दक्षिणी और मध्य क्षेत्रों में सामान्य बारिश होगी।

महाराष्ट्र के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस सीजन में लगभग 4.17 लाख हेक्टेयर जमीन बाढ़ के पानी में डूब गई है। इसमें से आधी जमीन कोल्हापुर, सांगली और सतारा में है। इससे गन्ने और अन्य फसलों को नुकसान हुआ है। सूखे मौसम के कारण पहले से ही गन्ने का उत्पादन 28 पर्सेंट कम हुआ है और अब बाढ़ की वजह से गन्ने की सप्लाई और घट जाएगी। महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय खटल ने बताया कि इन जिलों की चीनी मिलों को निश्चित रूप से गन्ने की कमी का सामना करना पड़ेगा। यह कमी कितनी होगी हम अभी इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। सांगली जिले में आस्टा के निवासी अंकुश चोरमुले ने बताया कि जिन किसानों ने हाल ही में गन्ने की फसल लगाई है उन्हें प्रति एकड़ कम से कम 30,000 रुपये का नुकसान होगा। जिन किसानों की फसल कटने के लिए तैयार थी उन्हें प्रति एकड़ 1 लाख रुपये का घाटा हो सकता है। 2018-19 में गन्ने का रिकॉर्ड 33 लाख टन उत्पादन हुआ था। चीनी मिलों के संगठन इस्मा ने उत्पादन मौजूदा सीजन में उत्पादन 20 पर्सेंट घटकर 2.82 करोड़ टन रहने का अनुमान दिया था। इंडस्ट्री के एक एग्जिक्यूटिव ने बताया कि गन्ना उत्पादन वाले दो प्रमुख राज्यों के बाढ़ से प्रभावित होने से गन्ने की सप्लाई घटेगी। अभी तक नुकसान का सटीक अनुमान नहीं लगाया गया है। हालांकि, चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, जिससे चीनी की कमी नहीं होगी। पंजाब में कपास के खेतों में पानी भरे से उत्पादन घटने की आशंका है। बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और ओडीशा में बाढ़ से धान की फसल को नुकसान हुआ है। एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'फसल का नुकसान का आकलन करने में कुछ समय लगेगा। हम मुआवजे या पैकेज को लेकर उपयुक्त कदम उठाएंगे।' अधिक बारिश के कारण मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में कपास और सोयाबीन की बुआई पर भी असर पड़ा है।

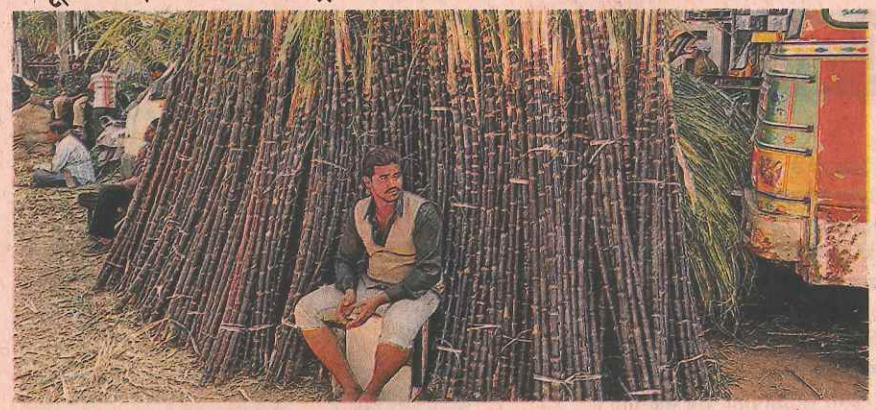

महाराष्ट्र के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस सीजन में लगभग 4.17 लाख हेक्टेयर जमीन बाढ़ के पानी में डूब गई है

Economic Times
20/8/19